मूंगफली तथा तिलहनों का उत्पादन

1090. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :**

श्री रामानन्द तिवारी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1976–77 में मूंगफली तथा अन्य तिलहनों का कितना उत्पादन हुआ ;

(ख) मूंगफली तथा अन्य तिलहनों का कितना वार्षिक उत्पादन देश में इनकी मांग पूरा करने के लिये पर्याप्त होगा ; और

(ग) यह कमी पूरी करने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) 1976–77 के दौरान तिलहनों के उत्पादन के पक्के अनुमान कृषि वर्ष की समाप्ति पर अर्थात् किसी समय जुलाई–अगस्त, 1977 में उपलब्ध होने की संभावना है । इस समय उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार 1976–77 में मूंगफली और कुछ अन्य तिलहनों का उत्पादन 1975–76 में हुए रिकार्ड उत्पादन से कम होने की सूचना मिली है ।

(ख) और (ग): तिलहनों की मांग के बारे में ठीक-ठीक मात्रात्मक अनुमान लगाना कठिन है, क्योंकि यह अनेक बातों पर निर्भर करता है और इस में हर साल परिवर्तन होता रहता है । फिर भी, प्रति व्यक्ति की लगभग 4.5 किलोग्राम वार्षिक खपत के आधार पर 1976–77 में 6165 लाख की आबादी के लिए 27.7 लाख मीटरी टन खाद्य तेलों की आवश्यकता का अनुमान लगाया गया है । देश में 1976–77 के दौरान हुआ खाद्य तेलों का वार्षिक उत्पादन इस मांग की तुलना में काफी कम है । चालू वर्ष की इस कमी को आयात द्वारा पूरा किया जा रहा है । गहन तिलहन विकास कार्यक्रम की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं, नए सिंचित क्षेत्रों में तिलहनों के विस्तार और सूरजमुखी तथा सोयाबीन आदि अपरम्परागत तिलहनों के विकास द्वारा और बिनौले निकालने तथा चावल की भूसी को अलग करने और मूल तिलहनों को छांट कर के तिलहन उत्पादन को बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं ।

गेहूं के लिए किसानों को उचित मूल्य

1091. **श्री मीठा लाल पटेल** : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाल ही में किसानों को उन के गेहूं उत्पादन के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए कोई नई योजना घोषित की है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं ; और

(ग) क्या सरकार का किसानों के लिए आवश्यक ऐसी वस्तुओं की मूल्य रेखा तथा खाद्यान्न मूल्यों के बीच एकरूपता लाने का विचार है और यदि हां, तो इस की रूपरेखा क्या है ?

कृषि और सिंचाई मन्त्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) और (ख). किसानों को उनकी पैदावार का लाभकारी तथा उचित मूल्य दिलाने की दृष्टि से सरकार ने किसान द्वारा बिक्री के लिए पेश किए गए उचित औसत किस्म के गेहूं की सारा भाग 110 रुपये प्रति क्विंटल के मूल्य पर खरीदने का निश्चय किया है जबकी